श्रीलाल शुक्ल जन्मशताब्दी का आयोजन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): साहित्य अकादेमी द्वारा गुरुवार को हिंदी कथाकार श्रीलाल शुक्ल की जन्मशती पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के आरंभ में साहित्य अकादेमी द्वारा निर्मित तथा शरद दत्त द्वारा निर्देशित श्रीलाल शुक्ल पर केंद्रित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि जब सामाजिक विद्रूपता को उसकी पराकाष्ठा में व्यक्त करना होता है तो उसके लिए व्यंग्य या फैंटेसी ही उपयुक्त माध्यम होती है, श्रीलाल शुक्ल ने भी यही किया, उन्होंने व्यंग्य शैली को अपनाया। उनके उपन्यास अपने समय से आगे की रचनाएँ हैं, जिन्हें वैश्विक धरातल पर देखने की जरूरत है। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि श्रीलाल शुक्ल का साहित्य हमें समाज की वास्तविकता से परिचित कराता है और व्यंग्य के माध्यम से सुधार की प्रेरणा देता है। अपने आरंभिक वक्तव्य में गोविंद मिश्र ने श्रीलाल शुक्ल से जुड़े कुछ संस्मरण सुनाते हुए उन्हें मस्ती और अक्खड़ता से भरपूर व्यक्ति बताया तथा कहा कि वे मूलतः

Fri, 29 August 2025
https://epaper.punjabkesari.com/c/78044